भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 3186
गुरुवार, 6 अगस्त, 2026/15 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

नए विमानपत्तनों का विकास

3186. श्री नारायण तातू राणेः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने विगत पांच वर्षों के दौरान नए विमानपत्तनों के निर्माण और विकास के लिए अनुमोदित परियोजनाओं की कोई सूची तैयार की है और यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्तमान में कितने विमानपत्तन निर्माणाधीन हैं और उनकी वर्तमान स्थिति क्या है; और

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान विमानपत्तनों के आधुनिकीकरण पर किए गए व्यय का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): पिछले पांच वर्षों में, भारत सरकार ने असम में डोलू, ओडिशा में पुरी, तमिलनाडु में परंदूर और राजस्थान में कोटा ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों की स्थापना के लिए 'सैद्धांतिक' मंजूरी दी है। जीएफए नीति के अनुसार, ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा परियोजनाओं के कार्यान्वयन की जिम्मेदारी संबंधित हवाईअड्डा विकासकर्ता की होती है। किसी हवाईअड्डा परियोजना को पूरा करने की समय-सीमा कई कारकों पर निर्भर करती है जैसे भूमि अधिग्रहण, अनिवार्य मंजूरी की उपलब्धता, वित्तीय समापन आदि।

(ग): भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) भागीदारों द्वारा ब्राउनफील्ड और ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों पर हवाईअड्डा अवसंरचना का आधुनिकीकरण और विस्तार किया जा रहा है, साथ ही उड़ान योजना के तहत असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों का विकास किया जा रहा है। वित्त वर्ष 2021-22 से वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान, एएआई और पीपीपी भागीदारों ने हवाईअड्डों के विकास के लिए लगभग 87,590 करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय किया है।

******